



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III — खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 81]
No. 81]नई दिल्ली, सोमवार, मई 19, 2008/वैशाख 29, 1930
NEW DELHI, MONDAY, MAY 19, 2008/VAISAKHA 29, 1930

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 19 मई, 2008

सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2008/08/125876.—
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, उत्तर प्रदेश स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड जिसका अपना रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 'पदम टॉवर्स', 14/113, सिविल लाइन्स, कानपुर-208001 में स्थित है द्वारा प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन किए गए मान्यता के नवीकरण के लिए आवेदन पर विचार करते हुए और यह समाधान हो जाने पर कि यह व्यापार के हित में होगा और ऐसा करना लोकहित में भी होगा, एतद्वारा, प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एक्सचेंज को मान्यता का नवीकरण उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन 3 जून, 2008 को प्रारंभ होने वाली और 2 जून, 2009 को समाप्त होने वाली एक वर्ष की कालावधि के लिए प्रतिभूतियों में संविदाओं की बाबत शर्त जो इसके पश्चात् विहित या अधिरोपित की जाए के अध्यधीन प्रदान करता है।

टी. सी. नायर, पूर्णकालिक सदस्य

[विज्ञापन- III/4/69-जेड बी/08/असा.]

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 19th May, 2008

No. LAD-NRO/GN/2008/08/125876.—The Securities and Exchange Board of India, having considered the application for renewal of recognition made under Section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 by the Uttar Pradesh Stock Exchange Association Limited having its registered office at 'Padam Towers', 14/113, Civil Lines, Kanpur-208 001 and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 renewal of recognition to the said exchange under Section 4 of the said Act for a period of one year commencing on the 3rd day of June, 2008 and ending on 2nd day of June 2009 in respect of contracts in securities subject to the condition as may be prescribed or imposed hereafter.

T. C. NAIR, Whole-time Member,

[ADVT-III/4/69-ZB/08/Exty.]